

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES
CALL : 91119 77775
WEEKLY CHART 22.06.2024
ICE COTTON

| MONTH | 14.06.24 | 21.06.24 | WEEKLY CHANGE |
|--------|----------|----------|---------------|
| JULY | 70.97 | 68.19 | -2.78 |
| DEC | 72.14 | 72.21 | 0.07 |
| MAR'25 | 73.43 | 73.60 | 0.17 |

MCX (COTTON)

| | 56240 | 57760 | 1520 |
|------|-------|-------|------|
| JULY | | | |
| SEP | | | |

NCDEX (KAPAS)

| APRIL | 1567.5 | 1618 | 50.5 |
|-------|--------|------|------|
| | | | |

NCDEX (COCUD KHAL)

| | 2729 | 2805 | 76 |
|------|------|------|----|
| JULY | | | |
| AUG | 2811 | 2884 | 73 |

SMART INFO SERVICE CALL : 91119 77775**CURRENCY (\$)**

| | 83.56 | 83.53 | -0.03 |
|-----------------------|---------|---------|----------|
| INDIAN (Rupee) | | | |
| PAK (Pakistani Rupee) | 278.489 | 278.537 | 0.048 |
| CNY (Chinese yuan) | 7.25576 | 7.26094 | 0.00518 |
| BRAZIL (Real) | 5.37721 | 5.43118 | 0.05397 |
| AUSTRALIAN Dollar | 1.51253 | 1.49983 | -0.0127 |
| MALAYSIAN RINGGITS | 4.71995 | 4.71200 | -0.00795 |

| | 81.85 | 82.70 | 0.85 |
|--------------------------|-------|-------|-------|
| COTLOOK "A" INDEX | | | |
| BRAZIL COTTON INDEX | 72.42 | 73.35 | 0.93 |
| USDA SPOT RATE | 65.39 | 63.05 | -2.34 |
| MCX SPOT RATE | 55960 | 55300 | -660 |
| KCA SPOT RATE (PAKISTAN) | 19700 | 19700 | 0 |

| | 2348.40 | 2334.75 | -13.65 |
|-------------|---------|---------|--------|
| GOLD (\$) | | | |
| SILVER (\$) | 29.625 | 29.582 | -0.043 |
| CRUDE (\$) | 78.49 | 80.59 | 2.1 |

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट में गिरावट वाला माहौल रहा।

इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के भाव जुलाई 2.87 सेंट तक गिरे, वही दिसंबर 0.07 एवं मार्च 0.17 सेंट तक बढ़े।

भारतीय बाजार MCX पर कॉटन के दाम में जुलाई माह के लिए 1520 रुपये की बढ़त देखी गई।

NCDEX पर कपास के भाव 50.5 रूपए प्रति 20 किलो तक बढ़े, वहीं खल के भाव में जुलाई माह 76 रूपए अगस्त माह 73 रूपए प्रति क्विंटल तक बढ़त दर्ज की गई।

अन्य देशों के कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में बढ़त देखी गई, USDA स्पॉट रेट 2.34 सेंट गिरा, MCX स्पॉट में 660 रूपए प्रति कैंडी भाव में गिरावट रही, वही ब्राजील कॉटन इंडेक्स 0.93 बढ़ा।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES**ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL**

CALL : 91119 77775

| STATE | 17.06.24 | 18.06.24 | 19.06.24 | 20.06.24 | 21.06.24 | 22.06.24 |
|-----------------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|
| PUNJAB | - | - | - | - | - | - |
| HARYANA | 600 | 600 | 600 | 500 | 300 | 500 |
| UPPER RAJASTHAN | - | - | - | - | - | - |
| LOWER RAJASTHAN | - | - | - | - | - | - |
| NORTH ZONE | 600 | 600 | 600 | 500 | 300 | 500 |
| GUJRAT | 6,000 | 5,000 | 5,200 | 6,000 | 5,000 | 5,000 |
| MADHYA PRADESH | 1,000 | 1,000 | 1,000 | 1,000 | 1,000 | 800 |
| MAHARASHTRA | 14,000 | 13,000 | 12,000 | 12,000 | 12,000 | 12,000 |
| CENTRAL ZONE | 21,000 | 19,000 | 18,200 | 19,000 | 18,000 | 17,800 |
| KARNATAKA | 500 | 700 | 700 | 1,000 | 600 | 400 |
| ANDHRA PRADESH | 1,200 | 1,500 | 1,500 | 1,500 | 1,500 | 1,500 |
| TELANGANA | 200 | 200 | 200 | 200 | 300 | 300 |
| TAMILNADU | - | - | - | - | - | - |
| SOUTH ZONE | 1,900 | 2,400 | 2,400 | 2,700 | 2,400 | 2,200 |
| ODISHA | - | - | - | - | - | - |
| TOTAL | 23,500 | 22,000 | 21,200 | 22,200 | 20,700 | 20,500 |

ARRIVAL IN 170 Kg.

red eco
FIBERS PVT.LTD.

+91 9879577099

sales@redcofibers.com


Murlidhar World Trade Pvt Ltd
Group of Companies
red eco
FIBERS PVT.LTD.
Angel
Fibers Limited
HARIPRIYA
SPINNING MILLS LTD.


Rajkot, Gujarat (Bharat)

खरीफ 2024 में भारत में कपास की खेती में कमी, क्योंकि किसान दलहन और मक्का की खेती की ओर रुख कर रहे हैं



किसानों के बुआई के फैसले वैश्विक वायदा बाजार में मंदी और कीटों के बढ़ते हमलों से प्रभावित हो रहे हैं। नतीजतन, खरीफ 2024 फसल सीजन के लिए देश भर में कपास की खेती में कमी आने की उम्मीद है। गुजरात और महाराष्ट्र जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में किसान वैश्विक स्तर पर कपास की कीमतों में गिरावट के बीच दलहन और मक्का जैसी अधिक लाभदायक फसलों का विकल्प चुन रहे हैं।

इस क्षेत्र के लिए शीर्ष व्यापार निकाय, कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (CAI) ने पिछले साल के 124.69 लाख हेक्टेयर की तुलना में खरीफ 2024 सीजन के लिए कपास की खेती में कमी का अनुमान लगाया है।

उत्तर भारत में, जहां खरीफ की खेती लगभग पूरी हो चुकी है, कपास की खेती में लगभग आधी कमी आई है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में किसानों को कीटों के बढ़ते हमलों, मुख्य रूप से पिक बॉलवर्म और बढ़ती उत्पादन लागत के कारण फसल का काफी नुकसान उठाना पड़ा है।

हाल ही में सीएआई की बैठक में उत्तर भारत के सदस्यों से मिली जानकारी के अनुसार, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में चालू खरीफ सीजन में कपास की बुआई 40 से 60 प्रतिशत तक कम हुई है," सीएआई के अध्यक्ष अतुल गणाला ने कहा।

कपास के सबसे बड़े उत्पादक राज्य गुजरात में इस साल रकबे में 12-15 प्रतिशत की कमी आने की उम्मीद है। गणाला ने कहा कि गुजरात के कुछ हिस्सों में बारिश होने के कारण किसान पहले ही मूंगफली और अन्य फसलों की ओर रुख कर चुके हैं।

देश में सबसे अधिक कपास रकबा रखने वाले महाराष्ट्र में भी स्थिति गुजरात जैसी ही है। गणाला ने कहा, "महाराष्ट्र राज्य संघ और अन्य व्यापार सदस्यों को रकबे में 10-15 प्रतिशत की कमी आने की उम्मीद है।" महाराष्ट्र में किसान कपास की जगह तुअर, मक्का और सोयाबीन की बुआई कर रहे हैं।

बीज वितरकों से मिली प्रतिक्रिया से पता चलता है कि राज्य में कपास के बीजों की बिक्री धीमी है। गणाला ने कहा, "पानी की कमी के कारण मध्य और दक्षिण भारत में कपास की शुरुआती बुआई बहुत कम हुई है।" मध्य प्रदेश में, रकबे में दसवां हिस्सा कम देखा जा रहा है, जबकि दक्षिण में, किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) घोषित होने का इंतज़ार कर रहे हैं।

ICE वायदा में मंदी का रुझान भारत में कपास की बुआई को भी प्रभावित कर रहा है। दिसंबर 2024 के लिए ICE कपास वायदा 70 सेंट प्रति पाउंड पर कम चल रहा है, जो भारतीय रुपये में ₹47,000 प्रति कैंडी के बराबर है। वर्तमान में, भारत में कपास की कीमतें 29 मिमी के लिए ₹55,000-57,000 की रेंज में घूम रही हैं।

"दिसंबर में कम ICE वायदा आगामी कपास की बुआई के लिए अच्छा नहीं है। कम वायदा कपास की बुआई को प्रभावित कर रहा है क्योंकि भारतीय किसान बुआई का फैसला लेने से पहले रोजाना ICE वायदा पर नज़र रख रहे हैं," गणाला ने कहा।

2023-24 सीजन के दौरान 124.69 लाख हेक्टेयर में कपास की बुआई की गई, जिसमें महाराष्ट्र 42.34 लाख हेक्टेयर में सबसे ऊपर है, इसके बाद गुजरात 26.83 लाख हेक्टेयर और तेलंगाना 18.18 लाख हेक्टेयर में है।

TOP 5

NEWS OF THE WEEK

जून में ब्राज़ील के कपास निर्यात ने रिकॉर्ड तोड़ दिया

सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज ऑन एप्लाइड इकोनॉमिक्स (CEPEA) के अनुसार, जून में ब्राज़ील के कपास निर्यात में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने की संभावना है, जो मजबूत अंतरराष्ट्रीय मांग और अनुकूल निर्यात कीमतों से प्रेरित है।

अमेरिकी कपास उद्योग ने शॉर्ट स्टेपल कपास पर 11% आयात शुल्क हटाने की मांग की

कॉटन काउंसिल इंटरनेशनल (CCI) ने मंगलवार को भारत सरकार से कीमतों को कम करने और भारतीय कपड़ा उद्योग को लाभ पहुंचाने के लिए शॉर्ट स्टेपल कपास पर 11% आयात शुल्क हटाने का आग्रह किया।

सूखे के कारण कपास किसानों की उम्मीदों पर संकट

जुलाई से सितंबर तक अच्छी बारिश के लिए आईएमडी के पूर्वानुमान के बावजूद, लंबे समय तक सूखे की वजह से राज्य में बारिश पर निर्भर फसलों, खासकर कपास पर असर पड़ा है।

बांग्लादेश से देर से आई मांग ने भारतीय कपास निर्यात को 67% तक बढ़ा दिया

सितंबर में समाप्त होने वाले 2023-24 सीज़न के लिए भारत के कपास निर्यात में बांग्लादेश में मिलों की बढ़ती मांग के कारण दो-तिहाई से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है।

ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, यू.एस. कॉटन शिपर्स ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

इस समझौते का उद्देश्य वैश्विक उद्योग के मुद्दों पर सहयोगात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से अपने-अपने उद्योगों की दीर्घकालिक आर्थिक और सामाजिक जीवन शक्ति सुनिश्चित करना है।

इस सप्ताह, रुई बाजार में मिलाजुला वाला माहौल देखा गया

इस सप्ताह, रुई बाजार में मिलाजुला वाला माहौल देखा गया।

नार्थ झोन के पंजाब, अपर राजस्थान में स्थिरता, वहीं हरियाणा राज्य में

20 रुपए प्रति मंड तक की गिरावट देखी गई।

सेंट्रल झोन के गुजरात में 100 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट देखी गई,

जबकि मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र राज्य में 500-800 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त रही।

साउथ झोन के कर्णाटक, तेलंगाना राज्य में स्थिरता देखी गई, जबकि

ओडिशा राज्य में 200 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त रही। वहीं आंध्रप्रदेश

राज्य में 200 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट देखी गई।

| SMART INFO SERVICES | | | | | | |
|--|---------------------|----------|--------|----------|--------|--------|
| india.smartinfo@gmail.com | | | | | | |
| Call : 91119 77775 | | | | | | |
| DATE: 22.06.2024 | | | | | | |
| WEEKLY COTTON BALES MARKET | | | | | | |
| STATE | STAPLE LENGTH | 17.06.24 | | 22.06.24 | | CHANGE |
| | | LOW | HIGH | LOW | HIGH | |
| NORTH ZONE | | | | | | |
| PUNJAB | 28.5 | 5,675 | 5,700 | 5,680 | 5,700 | 0 |
| HARYANA | 27.5/28 | 5,600 | 5,620 | 5,600 | 5,600 | -20 |
| UPPER RAJASTHAN | 28 | 5,400 | 5,700 | 5,400 | 5,700 | 0 |
| CENTRAL ZONE | | | | | | |
| GUJARAT | 29 | 55,300 | 56,500 | 55,500 | 56,400 | -100 |
| MADHYA PRADESH | 29 | 55,500 | 56,000 | 56,300 | 56,800 | 800 |
| MAHARASHTRA | 29+ vid. | 56,000 | 56,500 | 56,500 | 57,000 | 500 |
| SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775 | | | | | | |
| SOUTH ZONE | | | | | | |
| ODISHA | 29.5+ | 57,700 | 57,800 | 57,900 | 58,000 | 200 |
| KARNATAKA | 29.5+ | 56,000 | 56,500 | 56,000 | 56,500 | 0 |
| ANDHRA PRADESH | 29 mic 4+ | 55,700 | 56,200 | 55,500 | 56,000 | -200 |
| TELANGANA | 29.5/30 mm 78-80 RD | 57,000 | 58,000 | 57,000 | 58,000 | 0 |
| NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality. | | | | | | |
| Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy | | | | | | |



NEWSLETTER

Saturday, 22 June 2024 | Volume - 103

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News



Increasing MSP will provide relief to cotton farmers: Farmer Akhilesh ji expressed happiness.



GOLD : 71584
SILVER : 89139
CRUDE OIL : 6746

Increasing MSP will provide relief to cotton farmers: Farmer Akhilesh ji expressed happiness.



The farmer of India is an important part of the agricultural economy and plays an important role in the food security and economic development of the country. Farmers of India cultivate crops like paddy, wheat, cotton, sugarcane, pulses, oilseeds and vegetables. For information about cotton farming this year, the SIS team spoke to cotton farmer Akhilesh ji. Akhilesh ji cultivates cotton every year in Khandwa region of Madhya Pradesh. Expressing disappointment over not making profits from last year's cotton crop, he has expressed hope for this year's crop.

Increasing MSP is an important issue.

Farmers have expressed happiness due to the increase in MSP, this will benefit the farmers a lot. Due to the increase in the prices of seeds, fertilizers, food, petrol, diesel etc., the cost incurred by the farmers will be balanced against it. Cotton, an important cash crop, has been fixed at Rs 7,121 for the medium staple variety and Rs 7,521 for the long staple variety, an increase of Rs 501 for both.

Farmer Akhilesh ji
Madhya Pradesh,
Khandwa

Increasing the MSP (Minimum Support Price) of cotton brings many benefits to farmers:

Increase in income: Increasing MSP helps farmers get a better price for their cotton crop, thereby increasing their overall income.

Financial security: MSP guarantees that farmers will get a minimum price for their produce, thereby protecting them from market fluctuations and providing financial security.

Incentive: Higher MSP encourages farmers to produce better and more cotton, thereby improving agricultural production and quality.

Debt burden is reduced: With increased income, farmers can easily repay their loans, thereby reducing their debt burden and avoiding financial crisis.

Improvement in production: Increasing MSP allows farmers to buy high quality seeds, fertilizers and pesticides, which improves production and increases crop quality.

Better bargaining power in the market: Due to MSP, farmers get better bargaining power while selling their produce in the market, which allows them to get a fair price.

Social stability: Increasing farmers' income improves their lifestyle and social status, which brings social stability in rural areas.

Improvement in rural economy: Increasing MSP increases the purchasing power of farmers, which increases the demand for textiles, services and other products in rural areas, and improves the rural economy.

Overall, increasing the MSP of cotton significantly improves the economic condition of farmers and they can live a better life.



A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77775

WEEKLY CHART 22.06.2024

| ICE COTTON | | | |
|---------------------------------------|----------|----------|---------------|
| MONTH | 14.06.24 | 21.06.24 | WEEKLY CHANGE |
| JULY | 70.97 | 68.19 | -2.78 |
| DEC | 72.14 | 72.21 | 0.07 |
| MAR'25 | 73.43 | 73.60 | 0.17 |
| MCX (COTTON) | | | |
| JULY | 56240 | 57760 | 1520 |
| SEP | | | |
| NCDEX (KAPAS) | | | |
| APRIL | 1567.5 | 1618 | 50.5 |
| NCDEX (COCUD KHAL) | | | |
| JULY | 2729 | 2805 | 76 |
| AUG | 2811 | 2884 | 73 |
| SMART INFO SERVICE CALL : 91119 77775 | | | |
| CURRENCY (\$) | | | |
| INDIAN (Rupee) | 83.56 | 83.53 | -0.03 |
| PAK (Pakistani Rupee) | 278.489 | 278.537 | 0.048 |
| CNY (Chinese yuan) | 7.25576 | 7.26094 | 0.00518 |
| BRAZIL (Real) | 5.37721 | 5.43118 | 0.05397 |
| AUSTRALIAN Dollar | 1.51253 | 1.49983 | -0.0127 |
| MALAYSIAN RINGGITS | 4.71995 | 4.71200 | -0.00795 |
| COTLOOK "A" INDEX | 81.85 | 82.70 | 0.85 |
| BRAZIL COTTON INDEX | 72.42 | 73.35 | 0.93 |
| USDA SPOT RATE | 65.39 | 63.05 | -2.34 |
| MCX SPOT RATE | 55960 | 55300 | -660 |
| KCA SPOT RATE (PAKISTAN) | 19700 | 19700 | 0 |
| GOLD (\$) | 2348.40 | 2334.75 | -13.65 |
| SILVER (\$) | 29.625 | 29.582 | -0.043 |
| CRUDE (\$) | 78.49 | 80.59 | 2.1 |

This week, the international market witnessed a downtrend.

The International Cotton Exchange prices fell by 2.87 cents in July, while December and March prices rose by 0.07 cents and 0.17 cents respectively.

The Indian market MCX witnessed a rise of Rs. 1520 in the price of cotton for the month of July.

The price of cotton increased by Rs. 50.5 per 20 kg on NCDEX, while the price of oil cake increased by Rs. 76 in July and Rs. 73 per quintal in August.

If we look at the cotton market of other countries, the Cotlook "A" index saw an increase, USDA spot rate fell by 2.34 cents, MCX spot prices fell by Rs. 660 per candy, while the Brazil Cotton Index increased by 0.93 cents.

Cotton arrival this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91119 77775

| STATE | 17.06.24 | 18.06.24 | 19.06.24 | 20.06.24 | 21.06.24 | 22.06.24 |
|--------------------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|
| PUNJAB | - | - | - | - | - | - |
| HARYANA | 600 | 600 | 600 | 500 | 300 | 500 |
| UPPER RAJASTHAN | - | - | - | - | - | - |
| LOWER RAJASTHAN | - | - | - | - | - | - |
| NORTH ZONE | 600 | 600 | 600 | 500 | 300 | 500 |
| GUJRAT | 6,000 | 5,000 | 5,200 | 6,000 | 5,000 | 5,000 |
| MADHYA PRADESH | 1,000 | 1,000 | 1,000 | 1,000 | 1,000 | 800 |
| MAHARASHTRA | 14,000 | 13,000 | 12,000 | 12,000 | 12,000 | 12,000 |
| CENTRAL ZONE | 21,000 | 19,000 | 18,200 | 19,000 | 18,000 | 17,800 |
| KARNATAKA | 500 | 700 | 700 | 1,000 | 600 | 400 |
| ANDHRA PRADESH | 1,200 | 1,500 | 1,500 | 1,500 | 1,500 | 1,500 |
| TELANGANA | 200 | 200 | 200 | 200 | 300 | 300 |
| TAMILNADU | - | - | - | - | - | - |
| SOUTH ZONE | 1,900 | 2,400 | 2,400 | 2,700 | 2,400 | 2,200 |
| ODISHA | - | - | - | - | - | - |
| TOTAL | 23,500 | 22,000 | 21,200 | 22,200 | 20,700 | 20,500 |
| ARRIVAL IN 170 Kg. | | | | | | |


red eco
FIBERS PVT.LTD.

+91 9879577099

sales@redcofibers.com

Our Group Cotton Yarn Count Range.
Knitting & Weaving.
Count- 20 to 34
Carded / Combed / Compact.

Murlidhar World Trade Pvt Ltd
Group of Companies


red eco
FIBERS PVT.LTD.


Angel
Fibers Limited


HARIPRIYA
FIBERS PVT.LTD.

 Rajkot, Gujarat (Bharat)

India's Cotton Acreage Shrinks in Kharif 2024 as Farmers Shift to Pulses, Maize



Farmers' planting decisions are being influenced by bearish global futures and increasing pest attacks. As a result, cotton acreages across the country for the Kharif 2024 cropping season are expected to decline. Farmers in key producing states like Gujarat and Maharashtra are opting for more lucrative crops such as pulses and maize amidst weakening global cotton prices.

The Cotton Association of India (CAI), the apex trade body for the sector, projects a decrease in cotton acreage for the Kharif 2024 season compared to the previous year's 124.69 lakh hectares.

In North India, where Kharif planting is nearly complete, cotton acreages have dropped by nearly half. Farmers in states like Punjab and Haryana faced significant crop losses due to rising pest attacks, mainly the pink bollworm, and increasing production costs.

According to information from North India members in the recent CAI meeting, cotton sowing in the current Kharif season is reduced by 40 to 60 percent in states such as Rajasthan, Haryana, and Punjab," said Atul Ganatra, President of CAI.

In Gujarat, the largest cotton-producing state, acreages are expected to decline by 12-15 percent this year. Ganatra noted that with parts of Gujarat receiving rains, farmers have already shifted to groundnuts and other crops.

In Maharashtra, which has the largest cotton area in the country, the situation mirrors that of Gujarat. "The Maharashtra state association and other trade members expect a 10-15 percent reduction in area," Ganatra said. Farmers in Maharashtra are shifting from cotton to tur, maize, and soybeans.

Feedback from seed distributors indicates slow sales of cotton seeds in the state. "Due to water shortages, not much early cotton sowing is done in Central and South India," Ganatra added. In Madhya Pradesh, acreages are seen lower by a tenth, while in the South, farmers are waiting for the minimum support price (MSP) to be declared.

The bearish trend in ICE Futures is also influencing cotton sowing in India. The ICE cotton futures for December 2024 are trending lower at 70 cents per pound, equivalent to ₹47,000 per candy in Indian rupees. Currently, cotton prices in India are hovering in the ₹55,000-57,000 range for 29 mm.

"Lower December ICE futures are not good for the upcoming cotton sowing. The lower futures are affecting cotton sowing as Indian farmers are keenly watching the ICE futures daily before making sowing decisions," Ganatra added.

Cotton was planted on 124.69 lakh hectares during the 2023-24 season, with Maharashtra topping the acreage at 42.34 lakh hectares, followed by Gujarat at 26.83 lakh hectares and Telangana at 18.18 lakh hectares.



NEWS OF THE WEEK

Brazil's cotton exports hit record in June

Brazil's cotton exports are expected to hit a record high in June, driven by strong international demand and favourable export prices, according to the Centre for Advanced Studies on Applied Economics (CEPEA).

US cotton industry seeks removal of 11% import duty on short staple cotton

The Cotton Council International (CCI) on Tuesday urged the Indian government to remove 11% import duty on short staple cotton to ease prices and benefit the Indian textile industry.

Drought dashes hopes of cotton farmers

Despite the IMD's forecast for good rains from July to September, the prolonged drought has hit rain-dependent crops, especially cotton, in the state.

Late demand from Bangladesh pushes Indian cotton exports up 67%

India's cotton exports for the 2023-24 season ending in September are forecast to rise by more than two-thirds on the back of rising demand from mills in Bangladesh.

Australia, Brazil, U.S. cotton shippers sign MoU

The agreement aims to ensure the long-term economic and social vitality of their respective industries through a collaborative approach to global industry issues.


This week, the cotton market witnessed a mixed trend

This week, the cotton market witnessed a mixed trend.

North Zone states of Punjab, Upper Rajasthan remained stable whereas Haryana state witnessed a decline of up to Rs. 20 per candy.

Central Zone states of Gujarat witnessed a decline of Rs. 100 per candy whereas Madhya Pradesh, Maharashtra states witnessed an increase of Rs. 500-800 per candy.

South Zone states of Karnataka, Telangana remained stable whereas Odisha state witnessed an increase of Rs. 200 per candy whereas Andhra Pradesh state witnessed a decline of Rs. 200 per candy.

|  | | SMART INFO SERVICES | | | | |
|---|---------------------|----------------------------|--------|--------------------|--------|--------|
| | | india.smartinfo@gmail.com | | | | |
| | | | | Call : 91119 77775 | | |
| DATE: 22.06.2024 | | | | | | |
| WEEKLY COTTON BALES MARKET | | | | | | |
| STATE | STAPLE LENGTH | 17.06.24 | | 22.06.24 | | CHANGE |
| | | LOW | HIGH | LOW | HIGH | |
| NORTH ZONE | | | | | | |
| PUNJAB | 28.5 | 5,675 | 5,700 | 5,680 | 5,700 | 0 |
| HARYANA | 27.5/28 | 5,600 | 5,620 | 5,600 | 5,600 | -20 |
| UPPER RAJASTHAN | 28 | 5,400 | 5,700 | 5,400 | 5,700 | 0 |
| CENTRAL ZONE | | | | | | |
| GUJARAT | 29 | 55,300 | 56,500 | 55,500 | 56,400 | -100 |
| MADHYA PRADESH | 29 | 55,500 | 56,000 | 56,300 | 56,800 | 800 |
| MAHARASHTRA | 29+ vid. | 56,000 | 56,500 | 56,500 | 57,000 | 500 |
| SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775 | | | | | | |
| SOUTH ZONE | | | | | | |
| ODISHA | 29.5+ | 57,700 | 57,800 | 57,900 | 58,000 | 200 |
| KARNATAKA | 29.5+ | 56,000 | 56,500 | 56,000 | 56,500 | 0 |
| ANDHRA PRADESH | 29 mic 4+ | 55,700 | 56,200 | 55,500 | 56,000 | -200 |
| TELANGANA | 29.5/30 mm 78-80 RD | 57,000 | 58,000 | 57,000 | 58,000 | 0 |
| NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality. | | | | | | |
| Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy | | | | | | |